वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 15 | रविवार 14 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रोबोट से पहली बार हर्निया की सर्जरी

जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल के सर्जरी डिपार्टमेंट के डॉक्टरों किया ऑपरेशन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में रोबोट के जरिए जनरल सर्जरी डिपार्टमेंट में भर्ती मरीज के हर्निया का ऑपरेशन किया। ये ऑपरेशन डिपार्टमेंट की सीनियर प्रोफेसर डॉ. सुमिता जैन और उनकी टीम ने किया। ये पहला मौका है जब एसएमएस के डॉक्टरों ने हर्निया का ऑपरेशन रोबोट मशीन से किया। दो महीने पहले मार्च में एसएमएस हॉस्पिटल में सर्जरी के लिए दो रोबोटिक मशीने खरीदी गई थी, जिसमें से एक मशीन सुपर स्पेशिलिटी विंग में यूरोलॉजी डिपार्टमेंट में लगाई गई, जबकि दूसरी मैन एसएमएस बिल्डिंग के सर्जरी डिपार्टमेंट में। सर्जरी डिपार्टमेंट में यूं तो कुछ सर्जरी रोबोट से हो चुकी है, लेकिन हायटस हर्निया की सर्जरी पहली बार की गई।

दो सर्जरी एक साथ

एसएमएस के सुप्रीडेंट डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि कल हायटस हर्निया की दो सर्जरी एक साथ हुई। पहली सर्जरी दिल्ली से रोबोटिक मशीन से ट्रेनिंग देने आए डॉक्टर ने की, जो एक 66 साल के मरीज की हुई थी। इसके बाद डॉ. सुमिता जैन और उनकी टीम के सदस्य डॉ. योगेश दाधिच, डॉ. दिनेश शर्मा और डॉ. प्रवीण जोशी, डॉ. संदीप जांगिड़ ने की। ये सर्जरी 33 साल के एक युवक की हुई।

राजस्थान में आंधी, तेज बारिश

पारा 46 डिग्री के करीब, रात में लू की तरह गर्म हवा; 3 दिन मौसम में बदलाव का अलर्ट

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में तेज गर्मी के बीच शनिवार को मौसम में बदलाव देखने को मिला है। शाम 4 बजे बीकानेर के नोखा में तूफानी बारिश हुई। नागौर और लूणकरणसर में आंधी चली। इससे पहले 7 शहरों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पहुंचा गया है। ऐसे में ये शहर भट्ठी की तरह तप रहे हैं। मौसम विभाग ने राज्य में बादल छाने के साथ ही आंधी चलने की आशंका है। हालांकि इसका तापमान पर कोई ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक राज्य में अब सभी शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर आ गया है। टोंक, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, जैसलमेर, फलौदी, जालोर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस को छू गया। पाकिस्तान से आ रही गर्म हवा के कारण राज्य में गर्मी तेज हो गई। सीकर में जो तापमान 39 डिग्री सेल्सियस था, वह तीन डिग्री सेल्सियस बढ़कर 42 पर आ गया। अलवर, पिलानी, चूरू, बीकानेर, सवाई माधोपुर में भी तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया। बाड़मेर, चूरू, बीकानेर, गंगानगर समेत कई शहरों में लू चलनी शुरू हो गई। वहीं, रात में भी कई शहरों में गर्म हवा चलनी शुरू हो गई। यहां रात का न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक रहने लगा है।

फलौदी में रात का पारा 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर

राजस्थान में दिन के साथ अब रात में भी गर्मी बढ़ने लगी है। जोधपुर के फलौदी में बीती रात न्यूनतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गया। यहां रात में भी गर्म हवा चली। यही स्थिति जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, गंगानगर, चूरू समेत अन्य शहरों में रही। यहां रात का न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा।

एक साल में लगेंगे 100 मेगा जॉब फेयर

बेरोजगारी की समस्या का होगा समाधान कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता राज्य मंत्री सात मेगा जॉब फेयर में 25 हजार से अधिक बेरोजगारों को मिली नौकरी सवाई माधोपुर जॉब फेयर में 4 हजार 539 युवाओं ने भाग लिया, 1314 युवाओं को हुआ जॉब ऑफर

जयपुर. शाबाश इंडिया

कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग और जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को दशहरा मैदान में राजस्थान मेगा जॉब फेयर का आयोजन कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग राज्यमंत्री अशोक चांदना के मुख्य आतिथ्य में हुआ। राज्य मंत्री चांदना ने कहा कि भारत युवाओं का देश है जिसकी सबसे बड़ी चुनौती आज के समय में बेरोजगारी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश में पहली बार युवाओं की इस विकट समस्या का समाधान राजस्थान मेगा जॉब फेयर के माध्यम से कर रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब तक डेढ़ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दे चुकी है। वहीं 1 लाख 25 हजार सरकारी नौकरियां प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए एक वर्ष में 100 मेगा जॉब फेयर तहसील एवं जिला स्तर पर लगाने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार इससे पहले छह मेगा जॉब फेयर आयोजित कर चुकी है जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठित निजी कम्पनियों द्वारा 24 हजार बेरोजगार युवाओं को नौकरीया दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर में आयोजित सातवें मेगा जॉब फेयर में 1314 बेरोजगार युवाओं को विभिन्न निजी कम्पनियों द्वारा जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए गए। उन्होंने युवाओं को पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं मेहनत से अपना कार्य करने की सलाह दी ताकि उन्हें जल्दी से जल्दी तरक्की मिले और नियोक्ता कम्पनी को भी लाभ प्राप्त हो सकें। उन्होंने इस दौरान राज्य सरकार की मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया।

ए मां तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी...

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मदर्स डे के खास मौके पर सखी क्लब मितवा की ओर से शौर्य रेजिडेंसी प्रांगण में सभी सखियों ने स्पेशल प्रोग्राम बना कर माताओं के प्रति आभार जताया। अध्यक्ष मधु खमेसरा ने बताया कि इस स्पेशल डे को सेलिब्रेट करने के लिए सारी फ्रेंड्स पिछले कई दिनों से खासी उत्साहित थीं। उन्होंने कहा कि हर शख्स की जिंदगी में मां के त्याग और समर्पण का अलहदा मुकाम होता है। इसलिए उनके प्रति आभार अभिव्यक्ति के प्रयोजन से हर सखि ने मां की महिमा का बखान अपने तरीके से किया। इस अवसर पर सचिव अनीता सिंघी और रेखा असावा ने सदस्याओं के मनोरंजन के लिए मदर्स डे स्पेशल गेम की श्रृंखला सजाई। आयोजन के दौरान दीपा साबला, बीना सोनी, संगीता तलेसरा, सोनिया पंवार, जया इसरानी, माधुरी तलेसरा, निधि सक्सेना, रेखा चोरड़िया, पूनम अग्रवाल और सुनीता पोरवाल सहित अन्य कई सदस्याओं ने मां की महिमा पर गीत, कविता और संस्मरण सुनाकर खासी दाद पाई। अंत में मधु खमेसरा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। **खबर,फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल : 9829050939**

मदर्स डे की पूर्व संध्या पर ब्रेस्ट एवं सर्वाइकल कैंसर के प्रति किया जागरूक

उदयपुर. शाबाश इंडिया

इनरव्हील क्लब उदयपुर की सदस्याओं ने मदर्स डे की पूर्व संध्या पर पारस हॉस्पीटल में शनिवार को मदर्स डे सेलिब्रेशन किया। इस अवसर पर कैंसर जागरूकता विषयक वार्ता भी हुई। क्लब अध्यक्ष रश्मि पगारिया ने बताया कि हर व्यक्ति के जीवन में मां का स्थान सर्वोच्च है। मां के बिना जग सूना सा लगता है। इस अवसर पर कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. महाजन ने महिलाओं को सर्वाइकल एवं ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक रहने की जानकारी दी। कार्यक्रम पश्चात 50 महिलाओं का मेमो टेस्ट किया गया तथा निःशुल्क चेकअप और परामर्श किया गया। इस मौके पर डॉ. बलजीत कौर भी उपस्थित थी। कार्यक्रम संचालन क्लब सेक्रेटरी सीमा चंपावत ने किया। इस दौरान कैंसर जागरूकता का संदेश देते पोस्टर का विमोचन भी किया गया। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

महंगाई राहत कैम्प : रिकॉर्ड 4 करोड़ से अधिक गारंटी कार्ड का वितरण-89 .55 लाख से ज्यादा परिवारों को मिल चुका लाभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्य सरकार के महंगाई राहत कैम्प हर दिन कामयाबी का एक नया मुकाम बना रहे हैं। 24 अप्रैल से आयोजित हुए इन कैम्पों में रजिस्ट्रेशन के लिए जनता में इतना अधिक उत्साह है कि महज 20 दिनों में ही मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड वितरण का आंकड़ा 4 करोड़ के पार पहुंच चुका है, जबकि लाभान्वित परिवारों की संख्या भी 89.55 लाख से अधिक हो चुकी है । शनिवार को मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने जोधपुर जिले के हरियाढाणा गांव में लाभार्थी उषा देवी को 4 करोड़वां कार्ड सौंपा ।

संगिनी जैन सोशल ग्रुप मेन उदयपुर, ने अनोखे अंदाज में मनाया मदर्स-डे

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी जैन सोशल ग्रुप मेन उदयपुर, मेवाड़ मारवाड़ रीजन द्वारा 12 मई को महाप्रज्ञ विहार के वातानुकूलित सभागार में मदर्स -डे का अनोखे अंदाज में सेलिब्रेशन किया।

प्रथमः मातृशक्ति को जमाने के हिसाब से अपडेट करने हेतु डीसीबी बैंक के शाखा प्रबंधक समीर गोलवलकर ने 118 बहनों को बैंकिंग कार्यप्रणाली के बारे में अवगत कराया व ऑनलाइन पेमेंट बारे में जानकारी दी।

द्वितीयः हमारी ग्रुप सदस्या श्रीमती लाजवंती धाकड़ द्वारा मदर्स-डे के अवसर पर एक लाख ग्यारह हजार रुपए का चेक अंबा माता स्वाध्याय भवन को प्रदान किया गया।

तृतीयः तीसरा महत्वपूर्ण कार्य संगिनी सदस्या चंचल डूंगरपुरियो द्वारा अपनी मां पर स्वयं द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया गया। उन्होंने अपनी मां की स्मृति में ३मेवाड़ी कहावतें३ नामक पुस्तक लिखी जिसमें उनकी मां द्वारा दैनिक जीवन में बोली जाने वाली कहावतों, लोकोक्तियों को मां के गुजर जाने के बाद पुनः स्मृति में लाकर मां की स्मृति को चिरस्थाई कर दिया ये हम सभी के लिए प्रेरणास्पद बात है।

मदर्स -डे पर ग्रुप उपाध्यक्ष द्वारा एक जरुरतमन्द मरीज की आँखों का ऑपरेशन करवाया गया वही शशि जैन द्वारा अपना घर आश्रम मे प्रभुजनों को भोजन प्रसाद करवाया गया। सभी ने बहुत ही सुन्दर कार्ड बनाए। प्रथम नमिता मेहता, द्वितीय चन्द्र कला कोठारी,तृतीय सुधा खाब्या रही। शशि जैन,सुमन जारोली व उर्मिला शिशोदिया को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। पारितोषिक शशि जैन द्वारा प्रायोजित किए गए। सदस्यों द्वारा मदर्स-डे पर सोलो सांग, ग्रुप सांग प्रस्तुति भी दी गई। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मेवाड़ रीजन की संगिनी कन्वीनर श्रीमती मधु खमेसरा ने हमारे संगिनी से जुड़े 23 नए सदस्यों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डीसीबी बैंक के बांच मेनेजर समीर गोलवलकर थे। नवकार मंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया मंगलाचरण व फेडरेशन सुत्र वाचन के बाद ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि पिछले कार्यकाल में ग्रुप को विभिन्न गतिविधियों में फेडरेशन व रीजन से कुल मिलाकर 24 अवार्ड प्राप्त हुए। कार्यक्रम में संगिनी जोन कोर्डिनेटर उर्मिला शिशोदिया सहित 118 सदस्य उपस्थित थे। सचिव स्नेहलता पोरवाल ने सभी का आभारे ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ शिखा सरूपरिया द्वारा किया गया।

टोंक जिले के दिगंबर जैन मंदिरों का सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र कुमार पाटनी एवं महामंत्री राज कुमार कोठ्यारी के निर्देशन में टोंक जिले के दिगंबर जैन मंदिरों का सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया। इसके अंतर्गत आज श्री दिगंबर जैन मंदिर चौसला,श्री दिगंबर जैन मंदिर चैनपुरा , श्री दिगंबर जैन मंदिर सोडा,श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नशियां सोडा, श्री दिगंबर जैन मंदिर शांतिनाथ जिनालय अग्रवाल 84 समाज डिग्गी, मुनीसुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर डिग्गी पारसनाथ, दिगंबर जैन मंदिर नई कॉलोनी डिग्गी, श्री दिगंबर जैन मंदिर चांदसेन, श्री दिगंबर जैन मंदिर गनवर, श्री दिगम्बर जैन मंदिर सास का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया। सयंजोक योगेश टोडरका के नेतृत्व में विपिन बज, हरक चंद हमीरपुर वाले, प्रदीप ठोलिया, निर्मल कासलीवाल व राकेश छाबड़ा ने सर्वेक्षण कार्य पूरा किया। दिगंबर जैन मंदिर महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र कुमार जी पाटनी एवं महामंत्री श्री राज कुमार जी कोठ्यारी के निर्देशन में टोंक जिले के दिगंबर जैन मंदिरों का सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया। इसके अंतर्गत आज श्री दिगंबर जैन मंदिर चौसला,श्री दिगंबर जैन मंदिर चैनपुरा श्री दिगंबर जैन मंदिर सोडा, श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नशियां सोडा श्री दिगंबर जैन मंदिर शांतिनाथ जिनालय अग्रवाल 84 समाज डिग्गी मुनीसुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर डिग्गी पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर नई कॉलोनी डिग्गी, श्री दिगंबर जैन मंदिर चांदसेन श्री दिगंबर जैन मंदिर गनवर, श्री दिगम्बर जैन मंदिर सास का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया। सयंजोक श्री योगेश टोडरका के नेतृत्व में विपिन बज, हरक चंद जी हमीरपुर वाले, प्रदीप ठोलिया, निर्मल कासलीवाल व राकेश छाबड़ा ने सर्वेक्षण कार्य पूरा किया।

श्री श्री रविशंकर का जन्मोत्सव कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। 13 मई 2023 को श्री श्री रविशंकर जी के 67वें जन्मदिन को आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर परिवार ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम श्रंखला के अनुसार श्री श्री रविशंकर आश्रम, सेक्टर 26, प्रताप नगर, जयपुर में सांय 4 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें करीब 110 लोगों ने रक्तदान किया। सांय 6:30 बजे से सामूहिक गुरु पूजा का अयोजन किया गया जिसमें 25 गुरुपूजा पंडितों ने गुरु परंपरा को याद करते हुए सभी गुरुओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। तत्पश्चात सांय 7 बजे से आर्ट ऑफ लिविंग के प्रसिद्ध गायक सौरभ शेखावत और टीम के गुरुमय भजनों के सत्संग ने भक्तों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन स्वयंसेवकों द्वारा द्वारा घर पर बनाएं केक काटकर और भोजन प्रसादी के साथ हुआ ।जिसमें करीब 300 जयपुरवासियों ने पधारकर कार्यक्रम का आनंद लिया। धन्यवाद दिया

वेद ज्ञान

कर्म क्षेत्र और मोक्ष

विधि के विधान के अनुसार जीव को कर्म भोग के लिए संसार में आना पड़ता है और यह चक्र तब तक चलता रहता है जब तक कर्मक्षेत्र में किए कर्मों के फल से वह मुक्त नहीं हो जाता। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कर्मक्षेत्र की व्याख्या करते हुए बताया है कि जीव के शरीर रूपी आवरण का निर्माण प्रकृति के पांच महाभूतों-पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश द्वारा होता है। इस आवरण में अहंकार, बुद्धि और प्रकृति के तीनों गुणों-सतो, रजो - और तमो का समावेश होने के कारण इन गुणों की अव्यक्त अवस्था उसके व्यक्तित्व का निर्माण करती है। अव्यक्त अवस्था से तात्पर्य है कि इन गुणों के अनुपात जैसे तमोगुण की अधिकता से जीव अहंकारी और दंभी होकर जड़ की तरह व्यवहार करेगा और सतोगुण की प्रधानता में वह देवतुल्य कार्य करेगा। हर शरीर में ये तीनों गुण अलग-अलग अनुपात में विद्यमान रहते हैं। इसके साथ शरीर में पांच ज्ञानेंद्रियां-नाक, कान, नेत्र, जीभ और त्वचा होती हैं जिनके द्वारा वह संसार का अनुभव करता है और मन जो इन ज्ञानेंद्रियों का स्वामी है वह इन इंद्रियों से प्राप्त सूचना के आधार पर अपनी प्रतिक्रिया कर्मेंद्रियों-हाथ, पैर, जीभ आदि से देता हुआ अलग-अलग प्रकार के कर्म करता है। इस प्रकार के कर्म से वह कभी पूर्व में अर्जित कर्मफल से मुक्ति पाता है और कभी इस प्रकार के कर्म करता है जिनका फल उसे भविष्य में भोगना होता है। इस प्रकार जीव के कर्मक्षेत्र का निर्माण प्रकृति के 24 तत्वों द्वारा होता है। जीव का संसार में जन्म लेने का परम ध्येय केवल कर्मफल से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त करना है, परंतु अक्सर वह इंद्रियों के वशीभूत होकर पुनः तरह-तरह के कष्ट संसार में भोगता है। इसलिए जीव को कर्मों को मोक्षदायी बनाने के लिए विनम्रता, दंभहीनता, अहिंसा, सहिष्णुता, सरलता जैसे गुणों को अपनाते हुए प्रामाणिक गुरु की शरण ग्रहण करनी चाहिए जो उसे पवित्रता, स्थिरता, आत्मसंयम और इंद्रितृप्ति के विषयों से दूर करके उसके अंदर वैराग्य की भावना जाग्रत करेगा। मनुष्य योनि को इसलिए उच्च कोटि का माना गया है, क्योंकि सब प्राणियों में केवल मनुष्य को ही विवेक की शक्ति प्राप्त है। इसलिए मनुष्य को कर्मक्षेत्र में विवेक का उपयोग करते हुए और उचित कर्म करते हुए मोक्ष प्राप्त करना चाहिए।

संपादकीय

राज्यपाल और उपराज्यपाल पद की मर्यादा रेखांकित

महाराष्ट्र और दिल्ली से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से एक बार फिर राज्यपाल और उपराज्यपाल पद की मर्यादा रेखांकित हुई है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे से बगावत कर शिव सेना के कुछ विधायकों ने अलग पार्टी बनाने का एलान कर दिया था। इस तरह उद्धव ठाकरे की सरकार पर बहुमत का संकट पैदा हो गया था। तब तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने उद्धव ठाकरे को बहुमत साबित करने का आदेश दिया था। तब खासा राजनीतिक नाटक हुआ था और ठाकरे ने आखिरकार बहुमत पेश करने के बजाय अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसे लेकर राज्यपाल की भूमिका पर सवाल उठने शुरू हो गए थे। शुरू में ही जब शिव सेना ने भाजपा के बजाय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ मिल कर महा विकास अघाड़ी सरकार बनाने का फैसला किया था, तब भी राजनीतिक उठापटक के बीच कोश्यारी ने अफरातफरी में भाजपा के मुख्यमंत्री को शपथ दिला दी थी।

इससे उन पर आरोप लगने लगा था कि वे वही कर रहे हैं, जो केंद्र चाहता है। अदालत ने भी उनके व्यवहार को अनुचित ठहराया है। इसी तरह दिल्ली में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एक तरह से चुनी हुई सरकार के सारे अधिकार अपने हाथों में ले लिए थे और प्रशासनिक कामकाज में लगातार अड़ंगा डाल रहे थे। इस पर अधिकारों की व्याख्या के लिए सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई थी और अब संविधान पीठ ने चुनी हुई सरकार के पक्ष में फैसला दिया है। दिल्ली में उपराज्यपाल और चुनी हुई सरकार के बीच तनातनी शुरू से ही चली आ रही थी। वीके सक्सेना से पहले भी जो उपराज्यपाल आए, उन्होंने दिल्ली सरकार के हर फैसले में रोड़ा अटकाने का प्रयास किया। खासकर प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती और तबादले को लेकर एक तरह से दिल्ली सरकार का अधिकार ही छीन लिया गया था। तब भी करीब पांच साल पहले सर्वोच्च न्यायालय में अधिकारों की यह लड़ाई पहुंची थी और उसने फैसला दिया था कि अफसरों की तैनाती और तबादले का अधिकार चुनी हुई सरकार को है। मगर फिर भी उपराज्यपाल ने अपनी मर्यादा का ध्यान नहीं रखा। अब सर्वोच्च न्यायालय ने कह दिया है कि उपराज्यपाल को बेशक राष्ट्रपति की तरफ से प्रशासनिक कामकाज देखने के लिए नियुक्त क्या गया है, मगर चुनी हुई सरकार को ताकत देना बहुत जरूरी है। देखना है, अब भी उपराज्यपाल अपनी मर्यादा का पालन करते हैं या नहीं। दरअसल, राज्यपाल और उपराज्यपालों की नियुक्ति इसलिए की जाती है कि वे राज्य लरकारों को किसी प्रकार का अनुचित फैसला करने से रोक सकें। मगर जबसे इन पदों पर राजनीतिक नियुक्तियां की जाने लगी हैं, तबसे इस पद की मर्यादा कहीं हाशिये पर चली गई है। अब राज्यपाल और उपराज्यपाल प्रायः राजनीतिक लोग होते हैं। केंद्र सरकार अपने ऐसे लोगों को इन पदों पर नियुक्त कर उन्हें उपकृत करने और उनके जरिए अपने विपक्षी दल की सरकारों पर अंकुश लगाने का प्रयास करती देखी जाती है, जो सक्रिय राजनीति में लगभग अप्रभावी हो चुके हैं। ऐसे लोग चूंकि लंबे समय तक राजनीति कर चुके होते हैं और अपनी पार्टी के वफादार होते हैं, इसलिए वे सियासी दाव-पेंच से बाज नहीं आते।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अब खुली नींद...

अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के पास पिछले पांच दिनों में तीन धमाके हो जाने के बाद अब पुलिस की नींद खुली है और उसने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है। पहला विस्फोट बीते शनिवार को हुआ था, फिर सोमवार को और अब गुरुवार को तड़के हुआ। जब पहला विस्फोट हुआ था तो पुलिस ने उसे रसोई की चिमनी में हुआ विस्फोट बता कर नजरअंदाज कर दिया था। दूसरे विस्फोट के बाद भी वह सतर्क नहीं हुई, जबकि वह पहले वाले विस्फोट से अधिक ताकतवर था। जब तीसरा विस्फोट हुआ तभी उसके कान खड़े हुए। पुलिस अब भी यही कह रही है कि आरोपी पटाखे बनाने वाली सामग्री से विस्फोट कर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे थे। मगर उनका असल इरादा क्या है, यह अभी खुलासा नहीं किया गया है।पंजाब में पिछले कुछ समय से उपद्रवी तत्त्व लगातार सक्रिय देखे जा रहे हैं। अलगाववादी तत्त्व सिर उठाते देखे गए हैं। खालिस्तान की मांग फिर से उठने लगी है। कुछ दिनों पहले ही वारिस पंजाब दे संगठन के अमृतपाल सिंह ने खालिस्तान की मांग उठाते हुए वहां की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी थी। पुलिस की घेराबंदी के बीच से भाग निकला था और काफी मशक्कत के बाद वह पुलिस की गिरफ्त में आ सका। इन सबके बावजूद, हैरानी की बात है कि स्वर्ण मंदिर जैसी संवेदनशील जगह पर विस्फोट के बाद भी पंजाब पुलिस शिथिल बनी रही। सीमावर्ती राज्य होने की वजह से पंजाब को आतंकी गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील राज्य माना जाता है। अमृतसर में इस लिहाज से और चौकसी की अपेक्षा की जाती है। स्वर्ण मंदिर परिसर और उसके आसपास के इलाके में विशेष तौर पर कड़ी नजर रखी जाती है। फिर भी कुछ शरारती तत्त्व स्वर्ण मंदिर में न सिर्फ पनाह पाने, बल्कि वहां विस्फोटक तैयार करने में कैसे कामयाब हो गए। जैसा कि शुरूआती विवरणों से पता चल रहा है कि वे ताकतवर विस्फोटक तैयार करने का प्रयोग कर रहे थे। जाहिर है, वे नौसिखिया और सिरफिरे नहीं हैं। उनका मकसद स्पष्ट है। पंजाब पुलिस की शिथिलता का ही नतीजा है कि वे तीन बार विस्फोट करने में कामयाब हो गए। हालांकि पुलिस ने उनके पास से जो पर्चे और मोबाइल फोन से संदेश आदि इकट्ठा किए हैं, उससे उन तक भी पहुंचने का सूत्र मिलेगा, जिनके हाथों में इन्हें संचालित करने का यंत्र है। उनका मकसद क्या है और उन्होंने क्यों स्वर्ण मंदिर को दहशत फैलाने की जगह के रूप में चुना, यह सब अभी साफ होना है। स्वर्ण मंदिर पहले ही खालिस्तान आंदोलन के समय में अलगाववादियों का ठिकाना रह चुका है। हालांकि अब न तो पहले जैसा स्थानीय लोगों का उस आंदोलन को समर्थन है और न इस आंदोलन के जोर पकड़ने की कोई गुंजाइश नजर आती है। मगर कनाडा आदि देशों में बैठे कुछ आपराधिक वृत्ति के लोग सिख भावनाओं को भड़काने का प्रयास करते रहते हैं और उनके तार पाकिस्तान से भी जुड़े हुए हैं। इसलिए ज्यादा खतरा पाकिस्तानी दहशतगर्दों को पंजाब में अपनी साजिशों को अंजाम देने का रहता है। पंजाब पुलिस इस तथ्य से अनजान नहीं फिर भी वह कैसे इतनी लापरवाही बरत रही है कि कुछ उपद्रवी तत्त्व धमाके करने, सिख पंथ के नाम पर लोगों को भड़काने आदि जैसी गतिविधियों को अंजाम दे पा रहे हैं। सवाल खुफिया एजंसियों की सक्रियता पर भी उठता है कि उन्हें ऐसी गतिविधियों की भनक तक कैसे नहीं मिल पा रही।

मातृ दिवस अपने बच्चों के लिए मां के द्वारा किए गए बलिदानों का सम्मान करने का एक अवसर है

शाबाश इंडिया

मदर्स डे मनाना सिर्फ उस व्यक्ति के लिए प्रशंसा दिखाने का एक मजेदार तरीका नहीं है जो आपको बिना शर्त प्यार करता है। इसके महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक लाभ भी हैं। माँ के साथ हमारे बंधन के मनोवैज्ञानिक प्रभाव और उन्हें सम्मानित करने वाले मदर्स डे उत्सव की अपनी महत्वत्ता है। वास्तव में ''मातृ दिवस अपने बच्चों के लिए मां के द्वारा किए गए बलिदानों का सम्मान करने का एक अवसर है।'' आज की व्यस्ततम जीवन शैली में यह जरूरी हो गया है कि हम अपने आसपास अपने करीबी रिश्तों को अपना वक्त दें। वह वक्त जो हम बरसों से देना चाह रहे थे पर वक्त ही नहीं था। आज मौका है वापस से अपने रिश्तो में उस ऊर्जा को जगाने का, जो हमें एक दूसरे को मजबूती की डोर से बांधने में सक्षम है। आज आपके पास वक्त है पूरे दिन काम में लगी अपनी मां को आराम देने का। आज आपके पास वक्त है थोड़ी देर उनकी गोद में सिर रखकर बैठने का। आज आपके पास वक्त है वापस अपने बचपन को जीने का तो क्यों ना मदर्स डे के इस मौके पर इस वक्त को दिल से जिया जाए। कुछ वक्त अपनी मां के साथ बिताया जाये। यदि मां आपसे दूर है तो भी निराश मत होइए फोन पर बात करके या वीडियो कॉलिंग करके भी आप उनको अपने करीब महसूस कर सकते हैं। वास्तव में यदि मातृ दिवस पर मां को खुशियां देना चाहते हैं तो बस इतना ध्यान रखिए :

डॉ अनामिका पापडीवाल
20 years experience
काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट
एवं साइकोथैरेपिस्ट
Founder Director
Psychological Counseling Center, Malviya Nagar, Jaipur9783944484

1. अपने परिवार में अपने हिस्से की जिम्मेदारी ले।
2. उनके प्रति अपने प्यार को अभिव्यक्त करें।
3. उन्हें क्वालिटी समय दें यानी उन्हें अपनी मन की बात कहने का मौका दें और उनकी पसंद ना पसंद, उनके बचपन,उनके दोस्तों के बारे में बात करें।
4. उनकी पसंद की डिश बनाकर उतनी ही प्यार से खिलाए जैसे वह आपको खिलाती हैं।
5. सुनने की आदत भी विकसित करें।
6. उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी रखें और उनका ख्याल रखिए।
7. मम्मी के साथ झगड़ा होने पर बातचीत बंद नहीं करें बल्कि उन्हें समझने और समझाने की कोशिश करें। कभी भी रिश्ता खत्म नहीं करें।
8. कभी उनको भी अपना क्वालिटी समय अपने अनुसार बिताने का मौका दें।

मदर्स डे 14 मई 2023 पर प्रासंगिक आलेख

माँ ही है, जो हमे दुनिया से नौ महीनों ज्यादा जानती है, पीड़ाओं को सहकर आंचल की छाया देती है माँ

मां के लिए कोई भी शब्द, लेख या उपाधि कम होगी। उनके प्यार और समर्पण को जिंदगी लगाकर भी जताया नहीं जा सकता है। लेकिन फिर भी एक दिन है जो पूरी तरह मां को समर्पित होता है, इस दिन को मदर्स डे कहते हैं। साल 2023 में मातृत्व दिवस यानी मदर्स डे 14 मई को मनाया जाएगा। माँ के बिना जीवन की उम्मीद नहीं की जा सकती अगर माँ न होती तो हमारा अस्तित्व ही न होतो इस दुनिया में माँ दुनिया का सबसे आसान शब्द है मगर इस नाम में भगवान खुद वास करते है। ईश्वर हर जगह नहीं पहुंच सकता इसीलिए उसने मां बना दी। जो हर किसी की होती है, हर किसी के पास होती है। शारीरिक उपस्थिति मां के लिए मायने नहीं रखती। वह होती है तो उसकी ईश्वरीय छाया सुख देती है जब 'नहीं' होती है तब उसके आशीवादों का कवच हमें सुरक्षा प्रदान करता है।

माँ तो जग का मूल है, माँ में बसता प्यार।
मातृ-दिवस पर पूजता, तुझको सब संसार।।

हमारी माँ हमारे लिये सुरक्षा कवच की तरह होती है क्योंकि वो हमें सभी परेशानियों से बचाती है। वो कभी अपनी परेशानियों का ध्यान नहीं देती और हर समय बस हमें ही सुनती है। माँ को सम्मान देने के लिये हर वर्ष मई महीने के दूसरे रविवार को मातृ-दिवस के रुप में मनाया जाता है। ये कार्यक्रम हमारे और हमारी माँ के लिये बहुत महत्वपूर्ण है। हमें अपनी माँ को खुश रखना चाहिये और उन्हें दुखी नहीं करना चाहिये। हमें उनकी हर आज्ञा का पालन करना चाहिये और काम को सही तरीके से करना चाहिये। वो हमेशा हमें जीवन में एक अच्छा इंसान बनाना चाहती है। मां तो बस मां होती है, बच्चों को भरपेट खिलाती खुद भूखी ही सोती है, मां तो बस मां ही होती है। बच्चों की चंचल अठखेली देख-देख खुश होती है, मां तुझे प्रणाम। मां पर कौन पढ़ता है कविता, कहानी या अन्य साहित्य। लोगों को पसंद है व्हाइट टाइगर या सेक्स और रोमांस की किताबें। पत्नी या प्रेमिका का स्वार्थपूर्ण प्रेम लोगों को पसंद हो सकता है, लेकिन मां का निःस्वार्थ प्रेम आज की पीढ़ी को पसंद नहीं। उनके दिल में मां के प्रति संवेदनाएं नहीं, क्योंकि हमारी शिक्षा और हमारा समाज मां के महत्व को नहीं समझता।

जब तुम रोते थे, रात-रात भर, वो जागती थी आंचल में लेकर।
अब वह रोती रात-रात भर, तुम सोए रहते हो चादर ओढ़कर।।

फिल्मों में मां का किरदार रस्म अदायगी भर का होता है, क्योंकि सारी फिल्में प्रेमिका और प्रेमी के आस-पास ही घुमती रहती है। सम्बंध नहीं है मां केवल सम्पर्क नहीं है, आदर्श जीवन का केवल संबोधन नहीं है, जन्मदात्री है वो मात्र इंसान नहीं है व्यक्तित्व बनाती है, केवल पहचान नहीं है, ममता की प्रतिमा है, केवल नारी का एक रूप नहीं है, स्नेह की छाया है, केवल कठोरता की धूप नहीं है। हृदय है इसका प्रेम का सागर, जिसकी कोई थाह नहीं है। आघातों से पीडित है फिर भी दुख पर आह नहीं है। कृतघ्न हैं वो जो माता को आहत करते हैं, कर्तव्यों से मुंह मोड़ अधिकारों का दावा करते हैं। संतान के रक्षण हेतु माता ने न जाने क्या-क्या करती है, पीड़ाओं को सहकर आंचल की छाया देती है।

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

लबों पर उसके कभी बद्दुआ नहीं होती।
बस एक माँ है जो कभी खफा नहीं होती।।

मां, माताजी, आई, मम्मी, अम्मा से लेकर मम्मा तक हर मां एक भीने-भीने रिश्ते का प्रतीक है। मातृ-दिवस पर हर बच्चे की यह जिम्मेदारी है कि वह मां के प्रति अपने प्यार का, अपने सम्मान का और अपनी रेशमी छलछलाती अनुभूतियों का इजहार करें। समाज में मां का रूप सबसे शक्तिशाली और सबसे कोमल होता है। वह मां ही होती है जिसकी गोद में बच्चा पहला अक्षर बोलता है-मॉं। हमारे समाज में मां, दादी, नानी जैसे सम्बोधन बने हैं और इन सम्बोधनों का समुचित आदर आज के पैक्टिकल समाज में दिखता है। यह सिर्फ कहने की बात नहीं है कि बच्चे को पहली शिक्षा उसकी मां और नानी दादी की गोद में मिलती है। घर में मां और दादी में बच्चे में संस्कार भरती हैं। दादी, नानी की कहानियां, उनके पुचकार में शिक्षा होती है। बच्चे को जीवनशैली का ज्ञान महिलाएं ही कराती हैं। जब तक माताओं को सम्मान देना नहीं सीखेंगे, कुछ भी बदलना मुश्किल है। महिलाओं में अपना घर संभालते हुए समाज को नई दिशा देने की ताकत है। अतीत का कोई उदाहरण उठाकर देख लीजिए आप। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का अपने दत्तक पुत्र के लिए प्रेम हो या फिर आदिवासी महिला कर्मी सोरेन-त्याग का सर्वोच्च उदाहरण मां के रूप में महिलाएं रखती आई हैं। वे कितनी दृढ़ निश्चयी और बलिदानी होती हैं। निरंतर देकर जो खाली नहीं होती, कुछ ना लेकर भी जो सदैव दाता बनी रहती है उस मां को इस एक दिवस पर क्या कहें और कितना कहें। यह एक दिवस उसकी महत्ता को मंडित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। हो भी नहीं सकता।

मातृशक्ति, जननी सम्मान समारोह का भव्य आयोजन, 21 मातृ शक्ति को सम्मानित किया

बारां. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महा समिति महिला संभाग की अध्यक्षा चन्द्रकला सेठी ने बताया कि समाज स्तरीय मातृ शक्ति सम्मान समारोह 7 मई को प्रशांत मति सभागार, चौमुखा बाजार पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमति माणक सेठी डा कैलाश चन्द सेठी,कार्यक्रम अध्यक्ष समाज अध्यक्ष अशोक सेठी रहे।विशिष्ठ अतिथि मंजू पाटोदी यशभानु पाटोदी थी।युवा प्रकोष्ठ मंत्री रानी नोपडा ने बताया कि सम्मान समारोह पड़ दादी,पड़दादा स्वर्गीय श्री मति चांद बाई एवं स्वर्गीय श्री माणक चन्द जी टोंग्या की पुण्य तिथि पर पड़पोते यथार्थ व हार्दिक टोंग्या की ओर से प्रकाश टोंग्या द्वारा आयोजित किया गया।कार्यक्रम का मंगल शुभारंभ महासमिति के मंगलाचरण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। सभी सम्मानित होने वाली हमारी वरिष्ठ नारी शक्ति को संगीत व स्वागत की मधुर स्वर लहरी के साथ सभी सदस्यों मंचासीन कराया।राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललिता टोंग्या के अनुसार 21 मातृ शक्ति को सम्मानित किया गया।इसमे हमारी सीनियर 80 वर्ष से लेकर 92 वर्ष तक कि महिलाएं रही।संस्था के सदस्यों व हार्दिक टोंग्या ने सभी को शॉल, माला, तिलक व सम्मान दुपट्टा पहना कर सम्मानित किया। अध्यक्षता कर रहे अशोक सेठी ने कहा कि महासमिति का यह बहुत ही सराहनीय कार्य है।हमारे वरिष्ठ को इस कार्यक्रम से जितनी खुशी मिली है व अकथनीय है। इसी कार्यक्रम में श्रीमती शकुंतला गोधा धर्मपत्नी विमल चन्द गोधा को जिनवाणी सरक्षिका से नवाजा गया संस्थापक अध्यक्ष कांताजी कासलीवाल की 63 वी वैवाहिक वर्षगांठ पर उनका माल्यार्पण व स्वागत किया गया। सभी ने बधाइयां दी। सम्मान समारोह में 6 मातृ शक्ति अस्वस्थता के कारण आने में सक्षम नही है अतः उनके घर जाकर सम्मानित किया गया उपरोक्त कार्यक्रम में संस्था की पूर्व अध्यक्ष सन्तोष कासलीवाल, सोनिया चाँदवाद, शकुंतला सोनी, चन्द्रकला पाटनी, संगीता बड़जात्या,चन्द्रेश बड़जात्या,रूप कुमारी जैन,विद्या गोधा,लीन जैन,उषा बड़जात्या, कुसुम बज,अनिता पाटनी ,प्रायोजक परिवार पराग टोंग्या व अस्मिता टोंग्या, समाज कार्य कारिणी से वीरेंद्र कासलीवाल,महावीर बड़जात्या ,वरिष्ठ वीरेंद्र बड़जात्या ,अखिल भारतीय वैश्य समाज की अध्यक्षा अनिता सेठी व समाज के गणमान्यजन ने सक्रिय भागीदारी निभाई व कार्यक्रम की अपार सफलता पर संस्था की सराहना की।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से ...

लोगों को खोने से मत डरो..बल्कि इस बात पर चिन्तन करो-कहीं लोगों (भक्तों) को खुश करते करते,तुम खुद को ना खो दो...!

शाबाश इंडिया। एक विचारक - झरने के पानी को दो सौ फीट की ऊंचाई से गिरते हुये देख रहे थे। उसमें उठ रहे झाग को देखकर विचार कर रहे थे कि यदि कोई इसमें गिर जाये तो जिन्दा ना बच पाये। फिर क्या था - एक बुजुर्ग को उस झाग के बीचों बीच कूदते हुये देखा और वह बुजुर्ग डूब गया, और कुछ देर बाद वह बुजुर्ग 100 मीटर आगे निकला - बालों को झटकारते हुये गीत गा रहा था - आदमी मुसाफिर है,, आता है जाता है। उस विचारक ने पूछा- ? मैं समझा आप शरीर छोड़कर चले गये। आप कैसे बच गये- ? बुजुर्ग ने बहुत गहरी बात एक लाइन में कह दी - मैं भंवर के साथ डूबता गया और उसने ही हमको बाहर कर दिया। हमने अपना सर्वस्व भंवर को सौंप दिया। इसलिए बच गया, यदि मैं चैलेंज करता तो बच नही पाता। सब लोगों की हजारों समस्या है और हम आप ज्ञानी बनकर समाधान करने बैठ जाते हैं। ध्यान रखना ! लोगों की समस्याओं का कोई समाधान नहीं है। क्योंकि सबसे बड़ी समस्या एक ही है - जिसका कोई भी समाधान नहीं है। मूल समस्या एक ही है ₹अहंकार₹ -- जिसके लिये हम सबसे लड़ भिड़ जाते हैं। यहां हर एक कोई हमारा दुश्मन है -- लोग, समाज, आबोहवा, भाग्य और भी बहुत कुछ और हमें इन सबसे जीतना है। कैसे जीत पायेंगे - ? समस्या में ही समाधान है। समस्या बीज की तरह होती है, जिसके गर्भ में समाधान छुपा होता है। यदि कोई समस्या आये तो जल्दबाजी में समाधान नहीं खोजें, उस समस्या के भीतर उतरते जायें - आप पायेंगे कि समाधान मिल गया। समस्या पानी के भंवर जैसी है, उसमें छलांग लगायें और गहरे उतरते जायें। उस समझदार बुजुर्ग ने भंवर को चैलेंज नहीं किया। अपना सर्वस्व अर्पण, समर्पण कर दिया। आप भी समस्या के स्वभाव को समझ लें और समाधान प्राप्त कर लें। उन्हें अपना समझने से क्या फायदा जिनके मन में ना समर्पण हो, न अपनेपन का भाव हो !
नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

नगर निगम के खेल महाकुंभ का रंगारंग आगाज

सम्राट पृथ्वीराज चौहान की धनुर्विद्या में कोई चूक संभव नहीं : लखावत, खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं की जा रही है प्रदान

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। नगर निगम की ओर से शनिवार को चंदबरदाई खेल स्टेडियम में सम्राट पृथ्वीराज चौहान खेल महाकुंभ 2023 का रंगारंग आगाज हुआ। मुख्य अतिथियों ने रंग बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़कर खेल महाकुंभ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद एवं राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने कहा है कि दुनिया में कोई भी चूक हो सकती है लेकिन सम्राट पृथ्वीराज चौहान की धनुर्विद्या में कोई चूक नहीं हो सकती ।जब तक निशाना और लक्ष्य सही है तब तक पृथ्वीराज धरती पर जिंदा रहेंगे ।सम्राट पृथ्वीराज चौहान महाराणा प्रताप एवं छत्रपति शिवाजी को राष्ट्र नायक बताते हुए कहा कि देश की रक्षा के लिए इन वीर योद्धाओं का पराक्रम सदैव याद रखा जाएगा।
उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि लखावत ने निगम की इस अनुठी पहल पर बधाई देते हुए युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे जीत के लक्ष्य को लेकर खेल स्पर्धाओं में भाग ले, खेल जीवन में सदैव अनुशासन समानता एवं भाईचारे का पाठ पढ़ाते हैं। नगर निगम के महापौर ब्रज लता हाडा ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए खेल में हार और जीत चलती रहती है लेकिन खिलाड़ी हार के साथ भी सबक लें और जीवन में फिर से जीतने के लिए खड़े हो जाएं।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जिया बेरी में कुल 20 विद्यार्थियों की पांच दिवसीय इंटर्नशिप 12-5-2023 से 16-5-2023 तक

बेरी. शाबाश इंडिया

नई शिक्षा नीति के तहत राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की पांच दिवसीय ईमित्र किओस्क की इंटर्नशिप की शुरूआत बालेसर ब्लॉक के शिक्षा विभाग एवं भारती फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सत्य भारती क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जिया बेरी में कुल 20 विद्यार्थियों की पांच दिवसीय इंटर्नशिप 12-5-2023 से 16-5-2023 तक ईमित्र किओस्क के बारे में विशेष तौर पर शुरू हुई जिसमें विद्यार्थियों को ईमित्र के संचालक प्रेमाराम प्रजापत द्वारा ईमित्र किओस्क की कार्यप्रणाली और सरकार द्वारा उपलब्ध छात्र उपयोगी सेवाओं की जानकारियों को विशेष तौर पर समझाया। उक्त ईमित्र किओस्क इंटर्नशिप में विद्यार्थियों को ईमेल आईडी बनाना, एसएसओ आईडी बनाना, छात्रवृत्ति आवेदन भरना, दस्तावेजों को स्कैन करना इत्यादि जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराइ जा रही है। भारती फाउंडेशन द्वारा वाहय सपोर्ट से इन सभी विद्यार्थियों को ऑनलाइन फॉर्म भरना एवं उन जानकारियों को उपलब्ध करना, इसके बारे में विशेष तौर पर जानकारी सीखने को मिली। इंटर्नशिप का महत्व भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों के लिए है क्योंकि उनको ईमित्र से जुड़ी हुई सारी गतिविधियों के बारे में आंतरिक तौर पर जानकारी मिलती है और उनको अपने जीवन में कैसे उपयोग लें उसके बारे में सभी मूलभूत सुविधाओं के बारे में फॉर्म भरना, ऑनलाइन दस्तावेजों की पुष्टि एवं कैसे उन दस्तावेजों को सत्यापित कराएं इस सभी के बारे में जानकारी मिलती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामदेव सिंह चौधरी द्वारा इस प्रयास के लिए भारती फाउंडेशन के द्वारा सहयोग एवं इस लाभकारी इंटर्नशिप का सदुपयोग विस्तृत तौर पर बताया गया।

जयपुर गारमेंट क्लब का शपथ ग्रहण समारोह भव्य रुप से संपन्न हुआ

सभी JGC मेंबर्स ने भाग लिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। गारमेंट क्लब रजिस्टर्ड कोऑपरेटिव डिपार्टमेंट के अंतर्गत है, जिसमें जयपुर के प्रतिष्ठित कुर्ती मैन्युफैक्चरर मेंबर है जिनका व्यवसाय पूरे भारतवर्ष एवं विदेश में भी फैला हुआ है। शपथ ग्रहण समारोह होटल दा ललीत जवाहर सर्किल जयपुर में संपन्न हुआ।यह भव्य कार्यक्रम जयपुर गारमेंट क्लब द्वारा आयोजित किया गया था। इस प्रोग्राम की अध्यक्षता JGC कोर कमेटी मेंबर्स ने परिपूर्ण की। आँथ एवं AGM मीटिंग की अध्यक्षता जयपुर गारमेंट क्लब के संरक्षक चंदी राम खत्री द्वारा की गई। जिसमे नई कार्यकारिणी सदस्य अध्यक्ष दीपक जैन, उपाध्यक्ष केशव शुक्ला, जनरल सेक्रेटरी अशोक गुप्ता, संयुक्त सचिव सिद्धार्थ जैन, कोषाध्यक्ष अमित जिंदल, कार्यकारिणी सदस्य : चंद्र प्रकाश चांडक, धीरज बपलावत, अजय सिंह धाकड़, मनीष गर्ग बन जयपुर गारमेंट क्लब के नए पदाधिकारी के रुप में शपथ ग्रहण की शपथ उपरांत अध्यक्ष दीपक जी जैन ने सभी JGC मैंबर को धन्यवाद देते हुए व्यापार को लेकर काफी बात कही और व्यापार को मजबूत और तेज गति से आगे बढ़ने और सभी व्यापारियों की एकजुटता के लिया वादा किया।अशोक गुप्ता ने जयपुर गारमेंट क्लब की उपलब्धियां एवं वर्ष 2023-24 और 2024-25 की कार्यप्रणाली की रुपरेखा से सब को अवगत कराया।

रामलक्ष्मण मीणा को नर्सिंग दिवस पर चिकित्सामंत्री परसादी लाल मीणा ने नाइटिंगेल अवार्ड से किया सम्मानित

बूंदी. शाबाश इंडिया। पंडित बृज सुंदर शर्मा सामान्य चिकित्सालय बूंदी के ब्लड डोनर नर्सिंग ऑफिसर रामलक्ष्मण मीणा को अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस 12 मई को राज्य स्तर पर चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने नाइटिंगेल अवार्ड से सम्मानित किया। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, अध्यक्ष चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा, विशिष्ट अतिथि प्रमुख शासन सचिव स्वास्थ्य विभाग डॉ. पृथ्वी, नर्सिंग काउंसिल रजिस्ट्रार डॉ. शशिकांत शर्मा, निदेशक (जन स्वास्थ्य) एवं पदेन अध्यक्ष आर एन सी डॉ. रवि प्रकाश माथुर, निदेशक (अराजपत्रित) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये सुरेश नवल रहे। रामलक्ष्मण मीणा को यह नाइटिंगेल अवार्ड चिकित्सा सेवाये और सर्व समाज के लिए अनेक प्रकार की बेहतरीन सेवाये देने पर अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस पर बिड़ला ऑडिटोरियम जयपुर में राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com